भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 320

दिनांक 17 दिसम्बर, 2024

श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान की स्थापना

***320. श्री उम्मेदा राम बेनीवाल:**

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का राजस्थान के बाड़मेर जिले में श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो इस संबंध में वर्तमान में क्या प्रगति हुई है और इसके कब तक पूरा होने की संभावना है;

(ख) क्या श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान की घोषणा की गई है एवं इसका अनुमोदन हो गया है;

(ग) यदि हां, तो उक्त प्रयोजन हेतु कितना बजट आवंटित और व्यय किया गया है;

(घ) क्या सरकार का बाड़मेर में जीरा मंडी स्थापित करने का प्रस्ताव है क्योंकि देश में कुल जीरा उत्पादन में से 52 प्रतिशत उत्पादन राजस्थान में होता है और इसमें से अधिकतम 80 प्रतिशत उत्पादन पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में होता है और जीरे को प्रसंस्करण और बिक्री के लिए 300 किमी. दूर गुजरात की ऊंजा मंडी ले जाया जाता है, जिसमें प्रति क्विंटल 2500/- से 3000/- रुपये का खर्च आता है;

(ङ) यदि हां, तो इसे कब तक स्थापित किया जाएगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) क्या सरकार का जीरा तथा ईसबगोल के उत्पादन की क्षमता और किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बाड़मेर में जीरा तथा ईसबगोल प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो इसे कब तक स्थापित किया जाएगा?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (च): विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

****

"श्री अन्न अनुसंधान संस्थान की स्थापना" से संबंधित लोक सभा के दिनांक 17.12.2024 के तारांकित प्रश्न सं. 320 के भाग (क) से (च) तक संबंधित विवरण

(क) से (ग) : सरकार ने राजस्थान के बाड़मेर जिले में भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का एक क्षेत्रीय केंद्र बनाने की घोषणा और उसका अनुमोदन किया है। राजस्थान सरकार ने गुडामलानी, जिला-बाड़मेर (राजस्थान) में 98.8 एकड़ भूमि आवंटित की है। इस क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए 15वें वित्त आयोग अवधि के दौरान 8.50 करोड़ रुपये का कुल बजट आवंटित किया गया है जिसमें से 2.5 करोड़ रुपये बुनियादी सुविधा विकास, उपकरण एवं कृषि उपकरणों आदि पर खर्च किया गया है। इस केंद्र में एक केंद्र प्रमुख सहित दो वैज्ञानिक तैनात किए गए हैं।

(घ) एवं (ङ) : जैसा कि कृषि विपणन का नियंत्रण राज्य द्वारा किया जाता है, इसलिए नई मंडियों को खोलना राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आता है। राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार राजस्थान सरकार द्वारा कृषि उपज मंडी समिति, बाड़मेर में पहले ही एक जीरा मंडी स्थापित की गई है जिसके लिए जीरा व्यापारियों/निर्यातकों/प्रसंस्करणकर्ताओं को 77 प्लॉट आवंटित किए गए हैं।

राजस्थान सरकार द्वारा जैसलमेर में जीरा मंडी स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है जिसके लिए कृषि उपज मंडी समिति, जैसलमेर के मुख्य मंडी यार्ड में 20 प्लॉटों को चिन्हित किया गया है।

(च) : राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, राजस्थान खाद्य प्रसंस्करण मिशन के अंतर्गत, जोधपुर संभाग में जीरा और ईसबगोल की निर्यातोन्मुखी प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए सब्सिडी हेतु कुल दस (10) आवेदनों पर विचार किया गया है।

****